एम.बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र

1. प्रबन्ध के सिद्धान्त एवं संगठनात्मक व्यवहार
2. व्यावसायिक सम्प्रेषण
3. प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र
4. प्रबन्धकीय लेखांकन

द्वितीय सत्र

1. विपणन प्रबन्ध
2. मानव संसाधन प्रबन्ध
3. वित्तीय प्रबन्ध
4. उत्पादन एवं परिचालन प्रबन्ध

एम.बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र

1. व्यावसायिक वातावरण
2. व्यावसायिक नीतियां एवं रणनीतिक प्रबन्ध
3. प्रबन्ध सूचना प्रणाली एवं संगणक अनुप्रयोग
4. व्यावसायिक नियामक प्रारुप
   (Business Regulatory Frame – Work)

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक समूह

1. विपणन
2. मानव संसाधन प्रबन्ध
3. बैंकिंग एवं बीमा
4. वित्तीय प्रबन्ध

विपणन

1. अन्तर्राष्ट्रीय विपणन
2. विज्ञापन प्रबन्ध
3. उपभोक्ता व्यवहार
4. ब्राण्ड प्रबन्धन

मानव संसाधन प्रबन्ध

1. औद्योगिक सम्बन्ध प्रबन्ध
2. मानव संसाधन विकास
3. संगठनात्मक परिवर्तन एवं संगठनात्मक विकास
4. औद्योगिक सन्नियम

बैंकिंग एवं बीमा

1. बैंकिंग के मूलतत्व व प्रणालियां
2. बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार
3. बीमा एवं जोखिम प्रबन्ध
4. बीमा कम्पनियों का प्रबन्ध

वित्तीय प्रबन्ध

1. अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्ध
2. वित्तीय सेवाओं का प्रबन्ध
3. कार्यशील पूंजी प्रबन्ध
4. प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्ट फोलियो प्रबन्धन

एम.बी.ए. पाठ्य-विवरण

प्रथम सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : प्रबन्ध के सिद्धान्त एवं संगठनात्मक व्यवहार

इकाई - 01

प्रबन्ध : अर्थ, प्रकृति, महत्व, प्रबन्ध प्रक्रिया, प्रबन्ध के सिद्धान्त, प्रबन्ध के स्तर, प्रबन्धक की भूमिका एवं दायित्व, प्रबन्धकीय चुनौतियां, प्रबन्ध की विभिन्न विचारधाराएँ
नियोजन : नियोजन का महत्व, योजना के प्रकार, नियोजन प्रक्रिया, नियोजन की सीमाएँ

इकाई - 02

निर्णयन : अर्थ, प्रक्रिया, निर्णय के प्रकार, जोखिम व अनिश्चितता में निर्णयन, उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध, पूर्वानुमान-आवश्यकता व तकनीकें
संगठन : प्रक्रिया, सिद्धान्त, संगठनात्मक ढाँचा, प्रबन्ध का विस्तार, केन्द्रीयकरण एवं विकेन्द्रीकरण, अधिकार एवं सत्ता, अधिकारों का प्रत्यायोजन, विभागीयकरण औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन

इकाई - 03

समन्वय : अर्थ, महत्व व तकनीकें
अभिप्रेरण : अर्थ, महत्व, सिद्धान्त, प्रकार, अभिप्रेरण एवं मनोबल
नियंत्रण : अर्थ, प्रक्रिया, महत्व, प्रभावी नियंत्रण की पूर्व आवश्यकताएँ, नियंत्रण तकनीकें, प्रबन्ध अंकेक्षण

इकाई - 04

संगठनात्मक व्यवहार : अर्थ, मान्यताएं, प्रकृति, संगठनात्मक व्यवहार के निर्धारक तत्व, संगठन में व्यक्तिगत व्यवहार, मनोवृति (Attitude), मूल्य (Values), अवबोधन (Perceptions)
नेतृत्व : नेतृत्व के सिद्धान्त, नेतृत्व शैलियां
परिवर्तन का प्रबन्ध : परिवर्तन के कारक, परिवर्तन का विरोध, नियोजित परिवर्तन
संघर्ष का प्रबन्ध : प्रकृति, प्रकार, संघर्ष दूर करने की तकनीकें
कार्य-दबाव

द्वितीय प्रश्न-पत्र : व्यावसायिक सम्प्रेषण

इकाई - 01

सम्प्रेषण : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, कार्य, सम्प्रेषण प्रक्रिया, सम्प्रेषण के माध्यम, औपचारिक सम्प्रेषण, अनौपचारिक सम्प्रेषण, ऊर्ध्वगामी सम्प्रेषण, अधोगामी सम्प्रेषण, समानान्तर सम्प्रेषण, प्रभावी सम्प्रेषण के आवश्यक तत्व, सम्प्रेषण की सीमाएं, सम्प्रेषण की बाधाएं एवं उनको दूर करने के उपचार

इकाई - 02

मौखिक सम्प्रेषण : प्रभावी मौखिक सम्प्रेषण, मौखिक सम्प्रेषण की विधियां, प्रस्तुतीकरण कौशल, अमौखिक सम्प्रेषण, लिखित सम्प्रेषण के आवश्यक तत्व, साक्षात्कार कौशल, साक्षात्कार प्रक्रिया, सफल साक्षात्कार की पूर्व आवश्यकताएं

इकाई - 03

संगठनात्मक अन्तरवैयक्तिक सम्प्रेषण, समूह सम्प्रेषण, भाषण कौशल, सौदेबाजी कौशल

सभाए : सूचना, कार्यसूची, कार्यवृत्त, प्रस्ताव,

फीड बैक, प्रभावशाली फीड बैक, फीड बैक की उपादेयता, प्रतिवेदन लेखन, व्यावसायिक प्रतिवेदन लेखन

इकाई - 04

व्यावसायिक पत्राचार : प्रकृति, व्यावसायिक पत्रों का विन्यास, व्यावसायिक पत्राचार का नियोजन, विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक पत्र, निविदाएँ व आदेश, विक्रय पत्र, साख पत्र, संग्रहण पत्र, समायोजन पत्र, संभावित विक्रय हेतु पत्रों का जवाब, दावे सम्बन्धी पत्र, ग्राहकों के शिकायती पत्रों का निपटारा, वर्गीकृत विज्ञापन तैयार करना, प्रत्यक्ष मेल विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, ई-मेल

व्यावसायिक सम्प्रेषण के वैधानिक पक्ष

तृतीय प्रश्न-पत्र : प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र

इकाई - 01

प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, विचारधारा एवं तकनीकें, व्यावसायिक निर्णयन की प्रकृति, सीमान्त विश्लेषण, उपयोगिता विश्लेषण
उपभोक्ता व्यवहार : मांग का नियम, मांग की लोच, उदासीन वक्र विश्लेषण, मांग पूर्वानुमान, मांग पूर्वानुमान पर आय एवं मूल्य का प्रभाव

इकाई - 02

उत्पादन एवं लागत : उत्पादन कार्य, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम, प्रत्याय का सिद्धान्त (Law Of Returns) लागत विश्लेषण, स्थिर लागत, परिवर्तनशील लागत, सम-विच्छेद विश्लेषण (Break-even Analysis)
फर्म का लक्ष्य : लाभ को अधिकतम् करना (Firms goal – Profit maximization), विक्रय को अधिकतम् करना, आगम विश्लेषण (Revenue Analysis)

इकाई - 03

बाजार ढाँचा (Market Structure) : पूर्ण प्रतियोगिता (Prefect Competition), एकाधिकार (Monopoly), एकाधिकारात्मक(Monopolistic), अल्पाधिकार (Oligopoly), गैरमूल्य प्रतियोगिता (Non Price Competition)
मूल्य निर्धारण पद्धतियां : लागत धन मूल्यनिर्धारण (Cost Plus Pricing) बहुउत्पाद मूल्य निर्धारण (Multiyle Product Pricing) हस्तान्तरण मूल्य (Transfer Pricing)

इकाई - 04

उत्पादन के तत्व : श्रम पूंजी, पूंजी बजटन प्रक्रिया, नकद प्रवाह व पूंजी की राशनिंग (Cash Flows and Capital Rationing), बचत एवं घरेलू पूंजी निर्माण, रोजगार, आर्थिक विकास, व्यवसाय चक्र (Business Cycle), स्फीति (Inflation), राष्ट्रीय आय अवधारणा एवं राष्ट्रीय आय का मापन

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : प्रबन्धकीय लेखांकन

इकाई - 01

प्रबन्धकीय लेखांकन : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं कार्य, निर्णयन में प्रबन्धकीय लेखांकन की भूमिका, वित्तीय लेखांकन बनाम प्रबन्धकीय लेखांकन, प्रबन्धकीय लेखांकन की तकनीकें

वित्तीय विवरण (Financial Statement) : अर्थ, प्रकार, सीमाएं, वित्तीय विवरण विश्लेषण की विधियां

अनुपात विश्लेषण : विभिन्न प्रकार के अनुपात, अनुपात विश्लेषण के लाभ एवं सीमाएं

इकाई - 02

फण्ड प्रवाह विवरण (Fund Flow Statement), नकद प्रवाह विवरण (Cash Flow Statement)

सीमान्त लागत (Marginal Costing) : सीमान्त लागत निर्णयन एक तकनीक के रूप में, क्रय या निर्माण निर्णय, उत्पाद मिश्रण में परिवर्तन (Change in Product mix) सम-विच्छेद विश्लेषण (Break-even Analysis)

इकाई - 03

बजट एवं बजटरी नियंत्रण : अर्थ, उद्देश्य, लाभ एवं सीमाएं, बजट के प्रकार, स्थिर एवं लोचशील बजट, शून्य आधारित बजट, निष्पादन बजटिंग (Performance Budgeting)

इकाई - 04

प्रमाप लागत : अर्थ, लाभ एवं अनुप्रयोग

विचरण विश्लेषण : सामग्री, श्रम एवं उपरिव्यय

एम.बी.ए. प्रथम वर्ष

द्वितीय सत्र

1. विपणन प्रबन्ध
2. मानव संसाधन प्रबन्ध
3. वित्तीय प्रबन्ध
4. उत्पादन एवं परिचालन प्रबन्ध

<u>एम.बी.ए. पाठ्यचर्या</u>

<u>द्वितीय सत्र</u>

<u>प्रथम प्रश्न–पत्र : विपणन प्रबन्ध</u>

इकाई – 01

विपणन : अर्थ, प्राचीन व नवीन अवधारणा, कार्य, महत्व, विपणन प्रबन्ध बनाम विक्रय प्रबन्ध, विकासशील अर्थव्यवस्था के संदर्भ में विपणन, विपणन वातावरण,
विपणन संगठन : उद्देश्य, आधार, प्रारूप
विपणन सूचना प्रणाली एवं विपणन शोध, विपणन शोध : अर्थ, महत्व, प्रक्रिया

इकाई – 02

विपणन मिश्र : विपणन मिश्र के घटक
उत्पाद : उत्पाद सम्बन्धी अवधारणाएं, उत्पाद जीवन चक्र, उत्पाद नियोजन एवं विकास, उत्पाद सरलीकरण, उत्पाद विविधिकरण, ब्राण्ड, ट्रेडमार्क, पैकेजिंग, लैबलिंग
बाजार : बाजार विभक्तीकरण (Market Segmentation)
उपभोक्ता व्यवहार : अवधारणा, क्रय प्रक्रिया, उपभोक्ता व्यवहार के आर्थिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक निर्धारक
मूल्य निर्धारण : अर्थ, महत्व, मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने वाले तत्व, मूल्य नीतियां

इकाई – 03

विपणन सम्प्रेषण
विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य, विज्ञापन नियोजन, विज्ञापन के माध्यम, विज्ञापन की प्रभावशीलता
विक्रय संवर्द्धन : भूमिका, विभिन्न प्रकार की संवर्द्धन तकनीकें, विक्रय संवर्द्धन कार्यक्रम : विकास, क्रियान्वयन, नियंत्रण एवं मूल्यांकन
व्यक्तिगत विक्रय : अर्थ, प्रभावित करने वाले तत्व, विक्रय प्रक्रिया, विक्रय पश्चात सेवाएं, ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध (Customar Relationship Management)

इकाई – 04

भौतिक वितरण : संघटक, कार्य
वितरण के माध्यम : अवधारणा, महत्व, प्रकार, वितरण के माध्यम के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व, वितरण नीतियां
विपणन नियोजन एवं नियंत्रण

<u>द्वितीय प्रश्न-पत्र : मानव संसाधन प्रबन्ध</u>

इकाई - 01

मानव संसाधन प्रबन्ध : अवधारणा, महत्व, क्षेत्र, कार्य, सेवीवर्गीय (Personnel) प्रबन्ध बनाम मानव संसाधन प्रबन्ध, मानव संसाधन संगठन, रेखीय एवं स्टाफ सम्बन्ध, भारत में मानव संसाधन प्रबन्ध किस्म चक्र अवधारणा (Concept of Quality Circle) सम्पूर्ण किस्म प्रबन्ध (TQM)

इकाई - 02

मानव संसाधन नियोजन : अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व, प्रक्रिया, मानव संसाधन पूर्वानुमान, कार्य विवरण (Job Description), कार्य विशिष्ठीकरण (Job Specification), कार्य अभिकल्पना उपागम (Job Design Approaches) वृत्ति नियोजन (Career Planning) भर्ती (Recruitment) के स्त्रोत, विधियां, चयन प्रक्रिया

इकाई - 03

प्रशिक्षण एवं विकास (Training and Development) : उद्देश्य, विधियां, प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम का मूल्यांकन

क्षतिपूरण प्रबन्ध (Compensation Management) : कार्य मूल्यांकन-तकनीकें, मजदूरी एवं वेतन प्रशासन,

निष्पादन मूल्यांकन : अवधारणा, उद्देश्य एवं तकनीकें

कार्य परिवर्तन स्थानान्तरण, पदोन्नति, मानव संसाधन अंकेक्षण

इकाई - 04

कर्मचारी कल्याण, औद्योगिक सम्बन्ध एवं श्रम संघ (Industrial Relation & Trade Union) सामूहिक सौदेबाजी, विवाद निपटारा व्यवस्था, औद्योगिक प्रजातन्त्र एवं प्रबन्ध के कर्मचारियों की भागीदारी, सामाजिक सुरक्षा,

मानव संसाधन प्रबन्ध एवं नीतिशास्त्र, मानव संसाधन प्रबन्ध की चुनौतियां, अन्तरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबन्ध

तृतीय प्रश्न-पत्र : वित्तीय प्रबन्ध

इकाई - 01

वित्तीय प्रबन्ध : अवधारणा, उद्देश्य, क्षेत्र, वित्तीय प्रबन्धक के कार्य, वित्त कार्य : अवधारणा एवं उपागम, पूंजीकरण, अतिपूंजीकरण, अल्प पूंजीकरण, पूंजी ढाँचा, पूंजी ढाँचा नियोजन, उपागम

इकाई - 02

विनियोग एवं पूंजी ढाँचा निर्णय, पूंजी के विभिन्न स्त्रोतों की लागत, पूंजी की लागत का भारित औसत, अनुकूलतम पूंजी ढाँचा, मूल्यांकन एवं प्रत्याय दरें, दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन वित्त के स्त्रोत, अल्पकालीन वित्तीय विनियोग

इकाई - 03

कार्यशील पूंजी प्रबन्ध : अवधारणा, परिचालन चक्र, कार्यशील पूंजी को प्रभावित करने वाले तत्व, कार्यशील पूंजी के कार्य एवं घटक, कार्यशील पूंजी सम्बन्धी अनुपात, कार्यशील पूंजी का अनुमान, नकद प्रबन्ध

इकाई - 04

लाभांश नीति : अर्थ, सुदृढ़ लाभांश नीति की पूर्व आवश्यकताएं, वाल्टर मॉडल (Walter Model) गोरडॉन मॉडल (Gordon Model) एम.एम.परिकल्पना (Modigliant and Miller Hypothesis) फर्म का मूल्यांकन (Valuation), संविलयन एवं अधिग्रहण (Merger and Acquisition)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : उत्पादन एवं परिचालन प्रबन्ध

इकाई – 01

उत्पादन एवं परिचालन प्रबन्ध : प्रकृति, क्षेत्र, प्रभावित करने वाले तत्व, निष्पादित की जाने वाली क्रियाएं, निर्माणी पद्धतियों के प्रकार,
संयत्र का स्थान निर्धारण, संयत्र क्षमता का निर्धारण, संयत्र अभिविन्यास (Plant Layout)
श्रमशक्ति एवं सामग्री, सामग्री हस्तन (Material Handling)

इकाई – 02

उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण
क्षमता नियोजन (Routing)
मार्ग निर्धारण, अनुसूचियन (Scheduling), प्रेषण (Dispatch) , अनुगमन (Follow-up)
बैच उत्पादन एवं सतत उत्पादन
उत्पाद नियोजन

इकाई – 03

कार्य अध्ययन (Work-Study) : लागत में कमी एवं उत्पादकता संवर्द्धन हेतु पद्धति अध्ययन (Method study) एवं कार्य मापन
मूल्य अभियांत्रिकी (Value Engineering) एवं मूल्य विश्लेषण
सुरक्षा प्रबन्ध एवं दुर्घटना की रोकथाम
किस्म नियंत्रण : सांख्यिकीय किस्म नियंत्रण का प्रयोग ; अभिकल्पना, निर्माण, निरीक्षण एवं परीक्षण के दौरान किस्म नियंत्रण का प्रयोग, सम्पूर्ण किस्म प्रबन्ध (TQM)

इकाई – 04

क्रय प्रबन्ध की अवधारणा एवं क्षेत्र, क्रयण (Purchasing) के सिद्धांत, क्रयण प्रक्रिया, केन्द्रीकृत एवं विकेन्द्रीकृत क्रयण, क्रयण नीतियां, क्रयण शोध, मूल्य विश्लेषण, प्रमापीकरण एवं सरलीकरण, भण्डारण एवं भण्डार प्रबन्ध
इन्वेन्ट्री प्रबन्ध (Inventory Management), इन्वेन्ट्री स्तर, आर्थिक आदेश मात्रा (Economic Order Quantity), चयनित इन्वेन्ट्री प्रबन्ध

एम.बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र

1. व्यावसायिक वातावरण
2. व्यावसायिक नीतियां एवं रणनीतिक प्रबन्ध
3. प्रबन्ध सूचना प्रणाली एवं संगणक अनुप्रयोग
4. व्यावसायिक नियामक प्रारुप
   (Business Regulatory Frame – Work)

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक समूह

विपणन

1. अन्तर्राष्ट्रीय विपणन
2. विज्ञापन प्रबन्ध
3. उपभोक्ता व्यवहार
4. ब्राण्ड प्रबन्धन

वैकल्पिक समूह

मानव संसाधन प्रबन्ध

1. औद्योगिक सम्बन्ध प्रबन्ध
2. मानव संसाधन विकास
3. संगठनात्मक परिवर्तन एवं संगठनात्मक विकास
4. औद्योगिक सन्नियम

एम.बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र

1. व्यावसायिक वातावरण
2. व्यावसायिक नीतियां एवं रणनीतिक प्रबन्ध
3. प्रबन्ध सूचना प्रणाली एवं संगणक अनुप्रयोग
4. व्यावसायिक नियामक प्रारुप
   (Business Regulatory Frame – Work)

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : व्यावसायिक वातावरण

इकाई-1

व्यावसायिक वातावरण- अवधारणा, प्रकृति, महत्व, बाह्य वातावरण, आर्थिक, राजनैतिक, वैधानिक, तकनीकी एवं सामाजिक वातावरण : सांस्कृतिक वातावरण, सरकार की नियामक भूमिका, भारत का वित्तीय क्षेत्र, भारत की मौद्रिक नीति, भारत की राजकोषीय नीति

इकाई-2

विनियोग बचत, भारत में प्रत्यक्ष विदेशी विनियोग एवं उसके प्रभाव, भारत की पूंजी बाज़ार स्फीति एवं मूल्य नीति, विश्व वित्तीय वातावरण, अन्तरराष्ट्रीय सहयोग, विदेशी विनिमय प्रबन्ध अधिनियम

इकाई-3

विश्व व्यापार संगठन- इसकी नीतियों का अन्तरराष्ट्रीय व्यापार पर प्रभाव, विश्व व्यापार संगठन के ठहराव एवं विकासशील देश,क्षेत्रीय सहयोग, भुगतानों का संतुलन, भूमण्डलीकरण, भूमण्डलीय प्रतिस्पर्धा एवं निर्यात प्रबन्ध, निर्यात संवर्द्धन, भारत की आयात-निर्यात नीति

इकाई-4

भूमण्डलीय प्रतिस्पर्धा एवं तकनीकी, संयुक्त साहस, भूमण्डलीकरण एवं मानव संसाधन विकास, भूमण्डलीकरण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व, भारत एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां, निजीकरण एवं उदारीकरण के प्रभाव, विविनियोग

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय सत्र

द्वितीय प्रश्न पत्र : व्यावसायिक नीतियां एवं रणनीतिक प्रबन्ध

इकाई - 01

व्यावसायिक नीति- अवधारणा एवं प्रकृति, ध्येय (Mission), उद्धेश्य (objectives), लक्ष्य (Goal), वातावरणीय विश्लेषण एवं मूल्यांकन, आन्तरिक वातावरणीय विश्लेषण, स्वॉट विश्लेषण (SWOT Analysis), बी.सी.जी.मैट्रिक्स (BCG Matrix), जी ई सी मॉडल (GEC Model), मूल्य श्रृंखला (Value Chain) अवधारणा

इकाई -02

व्यूहरचना- अवधारणा, प्रकृति, व्यूहरचना के प्रकार, व्यूहरचना निर्माण (Strategy Formulation)ः बाह्य वृद्धि व्यूहरचना (External growth strategy)- विलयन अधिग्रहण (Acquisition) एवं संयुक्त साहस (Joint venture), व्यूहरचना विकल्प- स्थायित्व, विस्तार, (Expantion) छंटनी (Retrenchment), विशाखन (Diversification), मूल्यांकन एवं व्यूहरचना चयन (Evaluation and Choice of strategy), व्यूहरचना चयन को प्रभावित करने वाले तत्व

इकाई - 03

व्यूहरचना योजना का क्रियान्वयन, व्यूहरचना क्रियान्वयन की प्रक्रिया, संसाधनों का आवंटन, व्यूहरचना एवं संगठन ढांचा, व्यूहरचना मूल्यांकन एवं नियंत्रण (Strategy Evalution and control), व्यूहरचना का पुनर्निर्माण (Reformulation)

इकाई - 04

क्रियात्मक व्यूहरचनाएं (Functional Strategies)- उत्पादन विपणन, वित्तीय, सेवीवर्गीय व्यूहरचनाएं, व्यावसायिक नीतिशास्त्र (Business Ethics), व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व, निगमीय दर्शन एवं निगमीय गवर्ननेंस (Corporate Philosophy and Corporate Governance)

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय सत्र

तृतीय प्रश्न पत्र-प्रबन्ध सूचना प्रणाली एवं संगणक अनुप्रयोग

इकाई -1

कम्प्यूटर अवधारणा, परिचय, कम्प्यूटर का इतिहास, लाभ, सीमाएँ, कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ, कम्प्यूटर की मूल संरचना, वर्गीकरण, इनपुट व आउटपुट उपकरण, स्मृति, कम्प्यूटर की भाषाएँ, कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम-उद्धेश्य, कार्य, महत्व, प्रकार, विकास

माइक्रोसॉफ्ट विण्डोज़- परिचय, विभिन्न वर्जन्स, लाभ, विण्डोज़-95,98, एक्स.पी. विण्डोज-2000

इकाई-2

वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर, एम एस वर्ड (MS Word)-परिचय, वर्ड प्रोसेसिंग एवं वर्ड प्रोसेसर, एम एस वर्ड की स्क्रीन व अवयव, अनुप्रयोग विंडो के अवयव, एम एस वर्ड में कार्य करना,

एम एस एक्सेल (MS Excel- स्प्रेड शीट, वर्कबुक, वर्कशीट आंकड़ो का फोर्मेट करना माइक्रो सॉफ्ट पॉवर पोईन्ट- पॉवर पोईन्ट इंस्टॉल करना, प्रस्तुतीकरण विंडो, विभिन्न व्यू

इकाई-3

एम एस एक्सैस - डाटा बेस के तत्व, डाटा बेस विजार्ड, डाटाबेस विण्डो, डिजाईन व्यू, डाटा शीट व्यू, डाटा टाइप, विजार्ड द्वारा टेबल बनाना

प्रबन्ध सूचना प्रणाली - अर्थ, आंकडे, सूचना एवं ज्ञान, प्रबन्ध के स्तर एवं विभिन्न स्तरों पर सूचना की आवश्यकता, सूचना पद्वति एवं प्रबन्धकीय निर्णय, पद्धति उपागम (System Approach), कम्प्यूटर आधारित सूचना पद्धति का उद्भव एवं विकास

इकाई-4

प्रोग्रोम्ड एवं नॉन प्रोग्रोम्ड निर्णयन, सूचना पद्वति के लिए योजना, जीवन चक्र अवधारणा, प्रोटो टाइप उपागम, पद्वति विश्लेषण एवं अभिकल्पना, निर्णय पोषित पद्वति (Decision support system) एवं निर्णय प्रक्रिया

समस्या निवारण तकनीके, निर्णय पोषित पद्वति के विकास के उपागम; निश्चितता, अनिश्चितता एवं जोखिम में प्रयुक्त परिचालन, शोध मॉडल एवं प्रबन्ध सूचना प्रणाली

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय सत्र

चतुर्थ प्रश्न पत्र-व्यावसायिक नियामक प्रारूप

इकाई - 01

भारतीय अनुबन्ध अधिनियम-1872 (धारा 1 से धारा 75) (Indian contract Act1972 (Sec.1 to Section 75) अनुबन्ध का अर्थ, वैध अनुबन्ध के लक्षण, प्रस्ताव एवं स्वीकृति, अनुबन्ध करने की क्षमता, स्वतंत्र सहमति, वैधानिक प्रतिफल एवं उद्देश्य, व्यर्थ एवं व्यर्थनीय अनुबन्ध, अर्ध अनुबन्ध सांयोगिक अनुबन्ध, अनुबन्ध का निष्पादन, अनुबन्ध की समाप्ति, अनुबन्ध का खण्डन, अनुबन्ध खण्डन के उपचार

इकाई -02

माल विक्रय अधिनियम-1930 (Sale of goods Act-1930) विक्रय एवं बिक्री का ठहराव, माल के विक्रय के अनुबन्ध के आवश्यक लक्षण, शर्त एवं आश्वासन, अनुबन्ध का निष्पादन, स्वामित्व का हस्तान्तरण, स्वत्व का हस्तान्तरण (Transfer of title) अदत विक्रेता (unpaid Selle) के अधिकार, निलामी द्वारा विक्रय

भारतीय साझेदारी अधिनियम-1932 (Indian partnership Act1932) साझेदारी का अर्थ, साझेदारी का निर्माण अवयस्क साझेदार, साझेदारों के आपसी सम्बन्ध, साझेदारी एवं फर्म का समापन

इकाई -03

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986: सामान्य परिचय ; जिला, राज्य एवं केन्द्रीय स्तरीय फोरम का गठन, उनके कार्य एवं अधिकार ; उपभोक्ता संरक्षण परिषदें, उपभोक्ता के अधिकार, कम्पनी अधिनयम 1956 कम्पनी की परिभाषा, वर्गीकरण, कम्पनी निर्माण की प्रक्रिया पार्षद सीमानियम एवं पार्षद अन्तर्नियम

इकाई - 04

प्रविवरण (Prospectus), अंश, अंशपूंजी, अंशो का आबंटन, सदस्यता, अंशो का हस्तान्तरण, नामांकन एवं हस्तांकन, ऋण पत्र प्रभार एवं बन्धक, सार्वजनिक जमाएँ

कम्पनी प्रबन्ध संचालक, प्रबन्ध संचालक, कम्पनी की जांच, अन्याय एवं कुप्रबन्ध की रोकथाम, कम्पनी का समापन

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक समूह

वित्तीय प्रबन्ध

1. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्ध
2. वित्तीय सेवाओं का प्रबन्ध
3. कार्यशील पूंजी प्रबन्ध
4. प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्ट फोलियो प्रबन्धन

वैकल्पिक समूह

बैंकिंग एवं बीमा

1. बैंकिंग के मूलतत्व व प्रणालियाँ
2. बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार
3. बीमा एवं जोखिम प्रबन्ध
4. बीमा कम्पनियों का प्रबन्ध

एम.बी.ए. द्वितीय वर्ष

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक समूह

विपणन

1. अंतरराष्ट्रीय विपणन
2. विज्ञापन प्रबन्ध
3. उपभोक्ता व्यवहार
4. ब्राण्ड प्रबन्धन

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : विपणन

प्रथम प्रश्न-पत्र : अंतरराष्ट्रीय विपणन

इकाई - 01

अन्तरराष्ट्रीय विपणन : अवधारणा, महत्व,अन्तरराष्ट्रीय विपणन की जटिलता एँ, अन्तरराष्ट्रीय विपणन के आधार, अन्तरराष्ट्रीय विपणन का भविष्य
अन्तरराष्ट्रीय विपणन वातावरण : आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, तकनीकि वातावरण, वैधानिक वातावरण एवं उसका अन्तरराष्ट्रीय विपणन निर्णय पर प्रभाव
बाज़ार चयन : बाज़ार चयन प्रक्रिया, निर्धारक तत्व, बाजार विभक्तिकरण
बाजार प्रवेश रणनीतियाँ

इकाई - 02

अन्तरराष्ट्रीय विपणन संगठन : प्रकार, संगठन के निर्णय को प्रभावित करने वाले तत्व,
अन्तरराष्ट्रीय उत्पाद निर्णय : उत्पाद मिश्रण, उत्पाद जीवन चक्र, नये उत्पाद की विकास प्रक्रिया, ब्राण्ड, पैकेजिंग, लेबलिंग, उत्पाद रणनीतियाँ
मूल्य निर्धारण : उद्धेश्य, मूल्य निर्धारण को प्रभवित करने वाले तत्व, विधियाँ, हस्तान्तरण मूल्य, निर्यात मूल्य ढाँचा, मूल्य उद्धरण (Price Quotation)
अन्तरराष्ट्रीय वितरण माध्यम : प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष निर्यात, वितरण-माध्यमों के प्रकार, वितरण-माध्यम के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व, वितरण रणनीतियाँ

इकाई - 03

संवर्द्धन - संवर्द्धन मिश्रण : संवर्द्धन रणनीतियाँ, अन्तरराष्ट्रीय विपणन सम्प्रेषण, निर्यात संवर्द्धन संगठन, विज्ञापन, व्यक्तिगत विक्रय अन्तरराष्ट्रीय मेले व प्रदर्शनियाँ
निर्यात वित्त : भुगतान शर्तें, संस्थागत वित्त, आयात-निर्यात बैंक, भुगतान की विधियाँ, भारतीय निर्यात ऋण गांरटी निगम लि.

इकाई - 04

निर्यात प्रक्रिया (Export Procedure)
विदशी व्यापार प्रलेखपोषण (Documentation in Foreign Trade)
भारत की वाणिज्यिक नीति
विश्वव्यापार संगठन, क्षेत्रीय संगठन, वैश्वीकरण

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : विपणन

द्वितीय प्रश्न-पत्र : विज्ञापन प्रबन्ध

इकाई - 01

विपणन प्रक्रिया में विज्ञापन की भूमिका, विज्ञापन के वैधानिक, नैतिक एवं सामाजिक पक्ष, सम्प्रेषण प्रक्रिया, विज्ञापन रणनीतियाँ, प्राथमिक एवं चयनित मांग वृद्धि में विज्ञापन का प्रयोग, उद्धेश्य निर्धारण एवं बाज़ार अवस्थिकरण (Market Positioning), डगमर उपागम (Dogma Approach)

इकाई - 02

सृजनात्मक रणनीति, विज्ञापन कार्यक्रम का निर्माण, विज्ञापन विषय-सामग्री, शीर्षक, प्रतिलिपि, लोगो, (Logo), उदाहरण (Illustration), अपील (Appeal), अभिविन्यास (Lay out), मीडिया नियोजन (Media Planning), बजटिंग

इकाई - 03

विज्ञापन की प्रभावशीलता का मापन, मूल्यांकन, परीक्षण की विवेकशीलता, मान्यता, पुनः स्मृति (Recall), प्रयोगात्मक अभिकल्पना

विज्ञापन संगठन : चयन, क्षतिपूरण, ई-मीडिया

इकाई - 04

विज्ञापन अभियान (Advertising Campaign), विज्ञापन बनाम उपभोक्ता व्यवहार, विक्रय संवर्द्धन, सृजनात्मक रणनीतियों की भूमिका, तुलनात्मक विज्ञापन, जन सेवा विज्ञापन, अन्तरराष्ट्रीय विज्ञापन, विज्ञापन में वैधानिक बाधाएँ

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : विपणन

तृतीय प्रश्न-पत्र : उपभोक्ता व्यवहार

इकाई - 01

उपभोक्ता व्यवहार : अवधारणा, महत्व, क्षेत्र, सीमाएँ,
उपभोक्ता शोध : उद्धेश्य, प्रक्रिया
बाज़ार विभक्तिकरण एवं अवस्थित करना (Positioning)
उपभोक्ता व्यवहार एवं विपणन नीतियाँ

इकाई - 02

उपभोक्ता व्यवहार के मनोवैज्ञानिक आधार का अध्ययन : उपभोक्ता अभिप्रेरण (Motivation), प्रेरणाएँ (Motives), व्यक्तित्व : सिद्धान्त, स्व अवधारणा एवं उसके विपणन में प्रयोग। अवबोधन (Perception): विपणन पर प्रभाव, सीखना (Learning), स्मृति एवं सम्बद्धता (Involvement), उपभोक्ता मनोवृत्ति (Consumer Attitudes)

इकाई - 03

उपभोक्ता पर वातावरणीय प्रभाव : उपभोक्ता एवं संस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक वर्ग प्रभाव एवं उपभोक्ता व्यवहार, संदर्भ समूह : प्रकृति एवं उसका उपभोक्ता व्यवहार पर प्रभाव। परिवार : परिवार जीवन चक्र, परिवार क्रय निर्णय

इकाई - 04

नवप्रवर्तन विपणन, व्यक्तिगत प्रभाव के परिणाम, उपभोक्ता निर्णय प्रक्रिया : समस्या की पहचान, खोज, मूल्यांकन एवं क्रय-प्रक्रिया, चयन, क्रय पश्चात का व्यवहार, संगठनात्मक क्रेता व्यवहार, भारत में किये गये महत्वपूर्ण उपभोक्ता व्यवहार अध्ययन

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : विपणन

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : ब्राण्ड प्रबन्धन

इकाई - 01

ब्राण्ड : अवधारणा, ब्राण्ड छवि (Brand Image), ब्राण्ड अवस्थिकरण (Brand Positioning), ब्राण्ड समता (Brand Equity) की अवधारणा, ब्राण्ड समता के स्त्रोत एवं लाभ, ब्राण्ड ज्ञान, ब्राण्ड सचेतता (Brand Awareness), अपेक्षित ब्राण्ड ज्ञान संगठन का निर्धारण, ब्राण्ड पहचान (Brand Identity)

इकाई - 02

ब्राण्ड समता का निर्माण करना (Building Brand Equity), ब्राण्ड तत्वों को चुनना, चुनाव के मापक, विपणन कार्यक्रम की अभिकल्पना : उत्पाद, मूल्य निर्धारण, वितरण रणनीति, एकीकृत विपणन कार्यक्रम, ब्राण्ड द्वारा मूल्य जोड़ना (Value addition from Branding), ब्राण्ड सृजन (Brand Creation), ब्राण्ड- उत्पाद सम्बन्धता

इकाई - 03

ब्राण्ड समता का मापन : मापन के स्त्रोत, शोध - गुणात्मक एवं परिमाणात्मक, ब्राण्ड समता के र्निगत मापन, तुलनात्मक एवं होलीस्टीक (Holistic) विधियाँ, ब्राण्ड समता मापन पद्धति, ब्राण्ड अंकेक्षण, ब्राण्ड समता प्रबन्ध पद्धति स्थापित करना

इकाई - 04

ब्राण्ड विस्तार (Brand Extensions), ब्राण्ड रणनीतियाँ, ब्राण्ड उत्पाद मैट्रिक्स, ब्राण्ड सोपान श्रृंखला (Brand Hierarchy), ब्राण्ड रणनीति की अभिकल्पना, विस्तार व अवसरों का मूल्याकंन, समय एवं भौगोलिक आधार पर ब्राण्ड समता का प्रबन्धन, ब्राण्ड पोर्टफोलियो प्रबन्धन, ब्राण्ड एवं भूमण्डलीकरण

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र

मानव संसाधन प्रबन्ध

1. औद्योगिक सम्बन्ध प्रबन्ध
2. मानव संसाधन विकास
3. संगठनात्मक परिवर्तन एवं संगठनात्मक विकास
4. औद्योगिक सन्नियम

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : मानव संसाधन प्रबन्ध

प्रथम प्रश्न-पत्र : औद्योगिक सम्बन्ध प्रबन्ध

इकाई - 01

औद्योगिक सम्बन्ध : अवधारणा, प्रकृति, क्षेत्र, महत्व, औद्योगिक सम्बन्ध एवं उभरता हुआ सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य, श्रम आंदोलन, श्रम आंदोलन की विचारधाराएँ, भारत में श्रम-आंदोलन, श्रम संघ (Trade Union) : प्रकृति, प्रकार, उद्धेश्य, कार्य, उपादेयता, सुदृढ़ श्रम संघ के तत्व

श्रम संघ अधिनियम के मुख्य प्रावधान, सेवा-योजकों के संगठन (Employer's Organisation)

इकाई - 02

औद्योगिक विवाद (Industrial Disputes) : अवधारणा, कारण, औद्योगिक विवादों के प्रभाव, औद्योगिक विवादों की रोकथाम (Prevention), औद्योगिक विवादों का निपटारा (Settlement)

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947: उद्धेश्य, अधिनियम के अधीन प्राधिकारीगण, हड़ताल, तालाबन्दी (Lock out) ले ऑफ (Lay-Off), छंटनी (Retrenchment) सम्बन्धि प्रावधान

इकाई - 03

सामूहिक सौदेबाजी (Collective Bargaining) : अवधारणा, प्रकृति, उद्धेश्य, महत्व, प्रारूप (Forms), क्षेत्र, प्रभावशाली सामूहिक सौदेबाजी की पूर्वआवश्यकताएँ, सिद्धान्त, प्रक्रिया, भारत में सामूहिक सौदेबाजी

प्रबन्ध में कर्मचारियों की सहभागिता : अवधारणा, उद्वेश्य, महत्व, स्तर (Levels), प्रारूप (Forms), विचारधारा का उद्भव एवं विकास, भारत में सहभागिता विचारधारा का विकास

इकाई - 04

भारत में श्रम प्रशासन (Labour Administration in India)

अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन (International Labour Organisation)

श्रम कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा

औद्योगिक आवासन, अनुशासन (Discipline) कार्मिक परिवेदना निवारण

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : मानव संसाधन प्रबन्ध

द्वितीय प्रश्न-पत्र : मानव संसाधन विकास

इकाई - 01

मानव संसाधन विकास : अवधारणा, क्षेत्र, मानव संसाधन विकास का संगठन दर्शन, आधुनिक मानव संसाधन विकास की चुनौतियाँ, मानव संसाधन विकास के लिए संगठन, उभरती प्रवृत्तियाँ, संयुक्त राज्य अमेरिका व जापान के मानव संसाधन विकास के अनुभव, मानव संसाधन विकास एवं भारत

इकाई - 02

मानव संसाधन नियोजन : समग्र स्तर पर परिदृश्य, अवधारणा, प्रक्रिया, विधियाँ, उद्धेश्य, महत्व, मानव संसाधन विकास के गुणात्मक एवं मात्रात्मक पक्ष, मानव संसाधन विकास के उपकरण, कार्य संवर्धन (Job Enrichment), कार्य विस्तार (Job Enlargement), कार्य पुनः अभियान्त्रिकी (Job Re-engineering), कार्य बदलना (Job Rotation), किस्म चक्र, सम्पूर्ण किस्म प्रबन्ध, कार्य जीवन किस्म (Quality of Work-life)

इकाई - 03

प्रशिक्षण : प्रशिक्षण प्रबन्धक की भूमिका, दायित्व एवं चुनौतियाँ, प्रशिक्षण आवश्यकता का आकलन, प्रशिक्षण वातावरण, प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना, प्रशिक्षण एवं विकास : अवधारणा, उद्धेश्य एवं महत्व, प्रशिक्षण नियंत्रण, प्रशिक्षण का मूल्यांकन, प्रशिक्षण एवं विकास की विधियाँ एवं तकनीकें, अधिशाषी विकास, सीखने के सिद्धान्त, भारत में प्रशिक्षण एवं विकास, कर्मचारी मंत्रणा (Employee Counselling)

इकाई - 04

निष्पादन मूल्यांकन पद्धति : अवधारणा, विधियाँ, उद्धेश्यों द्वारा प्रबन्ध, 360˙ निष्पादन मूल्यांकन, योग्यता अंक व निष्पादन मूल्यांकन, पद्धति के आधार, प्रभावी निष्पादन मूल्यांकन, सम्भावना मूल्याकंन (Potential Appraisal), निष्पादन प्रबन्ध, क्षमता प्रबन्ध (Competency Management)

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : मानव संसाधन प्रबन्ध

तृतीय प्रश्न-पत्र : संगठनात्मक परिवर्तन एवं संगठनात्मक विकास

इकाई - 01

संगठनात्मक परिवर्तन : अवधारणा, परिवर्तन का महत्व, परिवर्तन के कारण, परिवर्तन के निर्धारक तत्व, परिवर्तन के प्रकार
परिवर्तन का विरोध : कारण, परिवर्तन के विरोध को दूर करना, विरोध को कम करने की विधियाँ, परिवर्तन एजेन्ट (Change Agent), परिवर्तन एवं प्रबन्धक

इकाई - 02

परिवर्तन का पद्धति मॉडल, लेविन्स मॉडल (Lewin's Model), निरंतर परिवर्तन प्रक्रिया मॉडल
प्रभावी परिवर्तन प्रबन्ध : परिवर्तन का प्रबन्ध- प्रक्रिया, परिवर्तन की रणनीतियाँ, परिवर्तन एवं संगठनात्मक संस्कृति, निगमीय संस्कृति, परिवर्तन के स्तर, परिवर्तन एवं संगठन का विकास

इकाई - 03

संगठन विकास : अवधारणा, उद्‌भव, मान्यताएँ, मॉडल, प्रक्रिया, ऐक्सन शोध (Action Research) डायगनोसिस (Dignosis) : महत्व, प्रक्रिया, मॉडल डायगनोस्टिक कौशल संगठन विकास सालाहकार

इकाई - 04

संगठन विकास इन्टरवेन्शन (OD Intervention) : अवधारणा, संगठन विकास, इन्टरवेन्शन का चयन, वर्गीकरण, रणनीतियाँ, संगठन विकास अन्तर्वयक्तिक इन्टरवेन्शन
संगठन विकास अन्तर्समूह विकास इन्टरवेन्शन
टीम विकास (Team Development) , विकास कार्यक्रम, ढाँचागत इन्टरवेन्शन, संगठन विकास का मूल्यांकन ओडी प्रोफेशनल एवं तीनिशास्त्र, संगठन विकास का भविष्य

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : मानव संसाधन प्रबन्ध

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : औद्योगिक सन्नियम

इकाई - 01

श्रम सन्नियम की आवश्यकता, श्रम सन्नियम के सिद्धान्त, भारत में श्रम सन्नियम विकास
कारखाना अधिनियम-1948 (The Factories Act-1948)

इकाई - 02

मजदूरी भुगतान अधिनियम -1936 (Payment of wages Act-1936)
न्यूनतम मजदूरी अधिनियम-1948
श्रमिक क्षतिपूर्ति अधिनियम-1923 (Workmen's compensation Act -1923)

इकाई - 03

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम-1948
उपदान (Gratuity) भुगतान अधिनियम-1972
बोनस भुगतान अधिनियम-1965

इकाई - 04

प्रसूति लाभ अधिनियम-1961 (The Maternity Benefit Act-1961)
प्रशिक्षु अधिनियम-1961 (The Apprentice Act-1961)
कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952
पर्यावरण संरक्षण अधिनियम -1986

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक समूह

वित्तीय प्रबन्ध

1. अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्ध
2. वित्तीय सेवाओं का प्रबन्ध
3. कार्यशील पूंजी प्रबन्ध
4. प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्ट फोलियो प्रबन्धन

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : वित्तीय प्रबन्ध

प्रथम प्रश्न-पत्र : अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबन्ध

इकाई - 01

अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय एवं मौद्रिक वातावरण : भुगतानों का सन्तुलन, समायोजन, अन्तरराष्ट्रीय मौद्रिक पद्धति का विकास, विनिमय दर मैकेनिज्म उद्धरण (Exchage Rate mechanism quotation) , विनियम दर निर्धारण, विनियम दर के सिद्धान्त

इकाई - 02

विदेशी विनिमय बाज़ार : तुरंत एवं अग्रिम बाज़ार (Sport and forward market) , विनियम दर जोखिम का मापन एवं प्रबन्ध, विनियोग निर्णय, विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग के सिद्धान्त, विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग के तरीके, अन्तरराष्ट्रीय पूंजी बजटिंग, राजनैतिक जोखिम का मापन एवं प्रबन्धन

इकाई - 03

अंतरराष्ट्रीय पोर्टफोलियो प्रबंध : बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वित्तीय निर्णय : पूंजी बजटिंग,
बहुराष्ट्रीय कम्पनी का पूँजी ढाँचा एवं पूँजी लागत
अन्तरराष्ट्रीय कार्यशील पूंजी प्रबन्ध : कार्यशील पूंजी नीति, नकद व अन्य चल सम्पत्तियों का प्रबन्ध, हस्तान्तरण मूल्य अन्तरराष्ट्रीय पोर्टफोलियो विशाखन (Diversification)

इकाई - 04

अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ार, अन्तरराष्ट्रीय विकास बैंकिंग, अन्तरराष्ट्रीय बैंक, अन्तरराष्ट्रीय सिक्योरिटी बाज़ार वित्तीय स्वैप्स (Financial Swaps) , यूरो करेंसी बाज़ार,
यूरो बैंकिंग
अन्तरराष्ट्रीय बॉण्ड बाज़ार
यूरोपियन मौद्रिक पद्धति
अन्तरराष्ट्रीय बैंकिंग

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : वित्तीय प्रबन्ध

द्वितीय प्रश्न-पत्र : वित्तीय सेवाओं का प्रबन्ध

इकाई - 01

सेवा (Service) : अवधारणा, सेवा एक उत्पाद के रूप में, सेवा की विशेषताएँ, सेवा का वातावरण, सेवा मॉडल, सेवा उद्योग का वर्गीकरण, अर्थव्यवस्था में सेवा उद्योग की भूमिका, सेवा उद्योग का भविष्य, भारत में सेवा उद्योग की स्थिति, वित्तीय सेवा : अवधारणा, प्रकृति,क्षेत्र एवं महत्व

इकाई - 02

वित्तीय सेवाओं का नियामक (Regulatory) प्रारूप, वित्तीय सेवाओं में जोखिम का प्रबन्ध, स्टॉक एक्स्चेंज परिचालन, म्यूचुवल फण्ड, मर्चेन्ट बैंकिंग सेवा, अंश निर्गमन का प्रबन्धन, बाण्ड के द्वारा स्थायी जमाओं की व्यवस्था, अन्तर निगमीय ऋण

इकाई - 03

लीज़ एवं हायर परचेज (Lease and Hire Purchase) , गृह वित्त, साख रेटिंग, क्रेडिट कार्ड, बैंकिंग एवं बीमा, फैक्टोरिंग (Factoring) , बिल कटौतियाँ, वित्तीय सेवाएँ एवं कर वातावरण, वित्तीय सेवाओं में मूल्य निर्धारण

इकाई - 04

विपणन मिश्रण एवं वित्तीय सेवाएँ, विपणन मिश्र के घटक, वित्तीय सेवा एवं 7पी, सेवा किस्म, किस्म आयाम (Quality Dimensions) एवं वित्तीय सेवा, किस्म मापन, गैप (GAP) मॉडल, ग्राहक संतुष्टि का मापन, ग्राहकों को बनाये रखना (Customer Relation) एवं ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध, वित्तीय सेवा बाज़ार का विभक्तिकरण

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : वित्तीय प्रबन्ध

तृतीय प्रश्न-पत्र : कार्यशील पूंजी प्रबन्ध

इकाई - 01

कार्यशील पूंजी : अवधारणा, कार्यशील पूंजी प्रबन्ध : अवधारणा, महत्व, कार्यशील पूंजी के प्रकार, कार्यशील पूंजी के निर्धारक तत्व, कार्यशील पूंजी की मात्रा का अनुमान, कार्यशील पूंजी के लिए वित्त स्त्रोत, एकीकृत कार्यशील पूंजी, विनियोग प्रक्रिया, स्फीति एवं कार्यशील पूंजी

इकाई - 02

नकद का प्रबन्ध, नकद रखने की प्रेरणाएँ, नकद पद्धति, नकद प्रवाह का प्रबंधन, संग्रहण पद्धति के प्रकार, नकद केन्द्रीकरण रणनीतियाँ, नकद पूर्वानुमान व बजटिंग, अनुकूलतम नकद शेष का निर्धारण, भारत में मुद्रा बाज़ार, भारत में बैंकिंग पद्धति : पुनर्गठन प्रक्रिया, अल्पकालीन अन्तरराष्ट्रीय व्यवहारों का प्रबन्धन

इकाई - 03

प्राप्य प्रबन्ध (Receivable Management) , उचित प्राप्यों का निर्धारण, सीमान्त विश्लेषण, साख विश्लेषण, विभेदात्मक विश्लेषण, क्रमिक निर्णय विश्लेषण (Sequential Decision Analysis) , अनुकूलतम साख नीति, साख की लागत, साख शर्तें, साख प्रमाप

इकाई - 04

इन्वेन्ट्री प्रबन्ध, इन्वेन्ट्री के प्रकार, इन्वेन्ट्री भण्डारण के लाभ एवं लागत, इन्वेन्ट्री प्रबन्ध एवं मूल्यांकन, इन्वेन्ट्री नियंत्रण मॉडल, अल्पकालीन वित्तीय कार्यक्रम, इन्वेन्ट्री प्रबन्ध में वित्तीय प्रबन्धक की भूमिका

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : वित्तीय प्रबन्ध

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबन्धन

इकाई – 01

प्रत्याभूति विश्लेषण : उद्धेश्य, विनियोग के विकल्प, मूल्याकंन सिद्धान्त, प्रत्याय की जोखिम एवं विनियोग निर्णय, सरकारी प्रत्याभूतियाँ, गैर सरकारी प्रत्याभूतियाँ, प्रभावी बाज़ार सिद्धान्त, क्रेडिट रेटिंग (Credit Rating), अंश मूल्य निर्देशांक (Share Price Index)

इकाई – 02

पूंजी बाज़ार, पूंजी बाज़ार में मध्यस्थों की भूमिका, प्राथमिक एवं द्वितीय बाज़ार, स्टॉक एक्स्चेंज (Stock Exchange) , प्रत्याभूतियों का सूचियन (Listing of Securities) , पूंजी बाज़ार नियामक संस्थाएँ : सेबी की भूमिका

इकाई – 03

पोर्टफोलियो प्रबन्धन : अर्थ, महत्व, उद्धेश्य, पोर्टफोलियो विश्लेषण : प्रत्याय दर का अनुमान, पोर्टफोलियो प्रत्याय का प्रमाप विचलन, मार्कोविज (Markowiz) का जोखिम प्रत्याय अनुकूलतम् एकल निर्देशांक मॉडल, पोर्टफोलियो कुल जोखिम, पोर्टफोलियो बाज़ार जोखिम

इकाई – 04

पूंजी बाज़ार सिद्धान्त : पूंजी बाज़ार पंक्ति (Capital Market line) , प्रत्याभूति बाज़ार पंक्ति (Security Market Line) , जोखिम मुक्त उधार लेना व देना, फैक्टर मॉडल (Factor Model), दो फैक्टर व बहु फैक्टर मॉडल, पोर्टफोलियो निर्माण तकनीक

पोर्टफोलियो निष्पादन मूल्यांकन : प्रत्याय का मापन, निष्पादन मूल्यांकन का जोखिम समायोजन मापन, मूल्यांकन का मापदण्ड एवं प्रक्रिया

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक समूह

बैंकिंग एवं बीमा

2. बैंकिंग के मूलतत्व व प्रणालियां
2. बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार
3. बीमा एवं जोखिम प्रबन्ध
4. बीमा कम्पनियों का प्रबन्ध

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : बैंकिंग एवं बीमा

प्रथम प्रश्न-पत्र : बैंकिंग के मूलतत्व एवं प्रणालियां

इकाई - 01

बैंक : अवधारणा, बैंकों का वर्गीकरण, बैंकिंगः उद्‌भव एवं विकास, बैंकों के कार्य, शाखा बैंकिंग व ईकाई बैंकिंग, विनियम साध्य विलेख एवं बैंकिंग परिचालन शोधन गृह, बैंकों की अर्थव्यवस्था में भूमिका, वाणिज्यिक बैंको द्वारा साख का सृजन, बैंकर के अधिकार व कर्तव्य

इकाई - 02

बैंकिंग परिचालन : फण्ड प्रबन्धन, बैंक फण्ड के विनियोग के सिद्धान्त, मर्चेण्ट बैंकिंग, हस्तान्तरण सुविधाएँ, एजेन्ट के रूप में कार्य

ई-बैंकिंग, ई-बैंकिंग के लाभ एवं सीमाएँ, क्षेत्र, ई-कॉमर्स एवं बैंकिंग, बैंक सेवा प्रबन्ध, ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध

इकाई - 03

केन्द्रीय बैंक : अर्थ, सिद्धान्त एवं कार्य - साख नियंत्रण की विभिन्न विधियां

भारतीय रिज़र्व बैंक : कार्य, कार्य-प्रणाली, संगठन

वाणिज्यिक बैंक : संगठन, परिचालन, नवीन प्रवृत्तियाँ, भूमिका

ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक

इकाई - 04

बैंकिंग नियमन अधिनियम-1949 : लाइसेन्सिंग, पूंजी, फण्ड तरलता, संचय, शाखा खोलना, प्रबन्ध एवं सामाजिक नियंत्रण, अग्रिमों पर नियंत्रण, लेखा, जांच एवं सामान्य नियंत्रण सम्बन्धि प्रावधान

एम.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : बैंकिंग एवं बीमा

द्वितीय प्रश्न-पत्र : बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार

इकाई - 01

बीमा : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, उद्‌भव व विकास, जोखिम, बीमा के कार्य, उपादेयता, सीमाएँ, उद्योग व वाणिज्य के विकास में बीमा की भूमिका, बीमा व बाजी के ठहराव (Weggering Agreement) में अन्तर

इकाई - 02

बीमा के सिद्धान्त, बीमा अनुबन्ध, दोहरा बीमा (Double Insurance), पुनर्बीमा (Re insurance), बीमा करवाने की प्रक्रिया, अभिगोपन (Underwriting) , अभिगोपन प्रक्रिया, सामाजिक बीमा, ग्रामीण बीमा

इकाई - 03

जीवन बीमा : अर्थ, प्रकृति, आवश्यक तत्व, जीवन बीमा पत्र (Policy), बीमा पत्रों के प्रकार, जीवन बीमा-पत्रों की शर्तें, सामूहिक बीमा, बचत योजनाएँ, प्रीमियम का निर्धारण, दावों का निपटारा, बीमा एजेन्ट- कार्य भूमिका व अधिकार

इकाई - 04

सामान्य बीमा (General Insurance), : बीमा करवाने की विधि, अग्नि बीमा : प्रकृति एवं क्षेत्र, दर निर्धारण एवं क्षेत्र, दावों का निपटारा, सामुद्रिक बीमा : प्रकृति, क्षेत्र, प्रकार, बीमा-पत्रों के प्रकार, दावों का निपटारा

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : बैंकिंग एवं बीमा

तृतीय प्रश्न-पत्र : बीमा एवं जोखिम प्रबन्ध

इकाई - 01

जोखिम : अवधारणा, जोखिम बनाम अनिश्चितता, जोखिम के प्रकार, शुद्ध जोखिम (Pure Risk), शुद्ध जोखिम का आकलन, शुद्ध जोखिम के प्रबन्धन का उद्धेश्य एवं विधियाँ

जोखिम प्रबन्ध : अवधारणा, उद्धेश्य, जोखिम प्रबन्ध प्रक्रिया, जोखिम प्रबन्ध सूचना पद्धति, बीमा की भूमिका

इकाई - 02

अपेक्षित हानियों का आकलन, सम्भावित हानि की पहचान एवं मूल्यांकन, सम्भावित (Probability) सिद्धान्त एवं उसका बीमा में प्रयोग, बहुसंख्य सिद्धान्त (Law Of large Number) का प्रयोग

जोखिम प्रबन्ध के सिद्धान्त : जोखिम का परम्परागत सिद्धान्त, जोखिम का आधुनिक सिद्धान्त, जोखिम का सामूहिक सिद्धान्त

इकाई - 03

जोखिम नियंत्रण एवं उसके प्रयोग, उपकरण, जोखिम को बढ़ने से रोकना, जोखिम को कम करना, जोखिम का हस्तान्तरण

जोखिम प्रबन्ध एवं डेराईविटिज (Derivaties)

इकाई - 04

बीमा एवं हेज़िंग (Hedging)

व्यक्तियों द्वारा जोखिम प्रबन्ध, व्यक्तियों द्वारा बीमा की मांग को प्रभावित करने वाले तत्व, निगमीय जोखिम प्रबन्ध

वित्तीय जोखिम

समाज को बीमा के लाभ एवं लागत

चतुर्थ सत्र
वैकल्पिक समूह : बैंकिंग एवं बीमा

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : बीमा कम्पनियों का प्रबन्ध

इकाई - 01

बीमा कम्पनियों के कार्य एवं संगठन : संगठन के प्रकार, बीमा कम्पनियों का संगठन ढांचा, बीमा कर्ता के कार्य, बीमा कम्पनियों का वित्तीय प्रबन्ध : वित्तीय उद्धेश्य,
वित्तीय नियोजन एवं रणनीतियाँ, बीमा कम्पनी के निष्पादन का मूल्यांकन, सम्पत्ति-दायित्व प्रबन्ध, विनियोग प्रवृत्तियाँ

इकाई - 02

उत्पाद अभिकल्पना एवं विकास : उत्पाद विकास प्रक्रिया, उत्पाद अभिकल्पना एवं विकास को प्रभावित करने वाले तत्व
अभिगोपन : अभिगोपन का आधार, उद्धेश्य, सिद्धान्त, जीवन एवं गैर जीवन बीमा का अभिगोपन

इकाई - 03

दावा प्रबन्ध : सामान्य एवं जीवन बीमा में दावों का निपटारा, बीमा मूल्यनिर्धारण : मूल्य निर्धारण के उद्धेश्य, जीवन एवं गैर जीवन बीमा में मूल्य निर्धारण, रेटिंग के प्रकार
बीमा का विपणन : बीमा उत्पादों का विपणन, वितरण माध्यम, विपणन नीतियाँ, बीमा सेवा विपणन : विपणन मिश्र-7पी

इकाई - 04

बीमा मध्यस्थ : बीमा उत्पादों का वितरण, बीमा मध्यस्थ एवं उनके कार्य, सर्वे करने वाले मूल्यांकक, तीसरे पक्षकार प्रशासक, एजेन्ट, दलाल, निगमीय एजेन्ट
बीमा में सूचना तकनीक, क्रियात्मक क्षेत्रों में सूचना तकनीक का प्रयोग, ई-बीमा